पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

आम जनता के लिये कल से खुलेंगे राजभवन के उद्यान
25 फरवरी से 11 मार्च तक आमजन हेतु खुले रहेंगे राजभवन के उद्यान
फोटोयुक्त पहचान पत्र के साथ आगुन्तकों को प्रवेश दिया जायेगा

लखनऊः 24 फरवरी, 2019

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने फूलों के मौसम में राजभवन के उद्यान को आम आगन्तुकों के लिये दिनांक 25 फरवरी से 11 मार्च, 2019 तक प्रतिदिन अपरान्ह 3.00 बजे से सायंकाल 5.00 बजे तक खोले जाने के निर्देश दिये हैं। राजभवन में प्रवेश करने के लिये सुरक्षा की दृष्टि से आगन्तुकों को अपना फोटोयुक्त पहचान पत्र साथ में लाना अनिवार्य है। फोटोयुक्त पहचान पत्र दिखाने के पश्चात् ही आगुन्तक राजभवन के गेट नं0 3 (तोप वाले गेट के बगल) से प्रवेश कर सकेंगे।

राजभवन जो पूर्व में कोठी हयात बख़्श (अर्थात जीवन दायिनी जगह) के नाम से जाना जाता था, का निर्माण नवाब सआदत अली खान के कार्यकाल सन् 1798 में हुआ था। मेजर जनरल क्लाॅड मार्टिन ने इस भवन का पुनर्निर्माण कराया था तथा इसको अपना आवास बनाया। स्वतंत्रता के पहले भी यह भवन अवध प्रांत के उप-राज्यपाल/राज्यपाल का सरकारी आवास था। स्वतंत्रता के पश्चात् से यह भवन राजभवन के नाम से जाना जाता है और उत्तर प्रदेश के राज्यपाल का सरकारी आवास है।

राजभवन के मुख्य प्रांगण में सफेद संगमरमर की एक बारादरी निर्मित है तथा भवन के सामने लाॅन में उत्तर प्रदेश सरकार के प्रतीक चिन्ह (लोगो) के आकार का एक सुन्दर फव्वारा भी स्थित है। यहाँ एक कैक्टस हाउस है तथा विभिन्न प्रकार के दुर्लभ औषधीय पौधों की एक वाटिका है, जिसे धन्वन्तरि वाटिका कहते हैं। राजभवन में विभिन्न रंगों एवं प्रजातियों के गुलाब की सुन्दर वाटिका है जो गुलाब वाटिका कहलाती है। राजभवन में रूद्राक्ष, कल्पवृक्ष, सीता अशोक, सिन्दूर, कृष्ण वट तथा चन्दन के दुर्लभ वृक्ष भी लगे हैं। राजभवन के कुछ चिन्हित स्थलों पर संगमरमर की खूबसूरत मूर्तियों भी स्थापित हैं जो इसकी शोभा को और अधिक बढ़ा देती हैं।

अंजुम/ललित/राजभवन (73/36)